निर्माण एजेंसी यूपीएसआईसी को अक्टूबर 2025 तक काम पूरा करने का दिया समय

निवेशकों को इसी साल आवंटित होगी उद्योग लगाने को जमीन

विकास की बात

48 हेक्टेयर में विकसित होने वाले औद्योगिक क्षेत्र की दरें इसी माह तय होंगी

15 दिन पहले एमएसएमई मंत्री उप्र ने गभाना के ख्यामई का निरीक्षण किया था

अलीगढ़, वरिष्ठ संवाददाता। गभाना के ख्यामई में इसी साल निवेशकों उद्योग लगाने के लिए जमीन आवंटित होगी। साल 2025 में ही इसका निर्माण पूरा किया जाएगा। इसको लेकर एमएसएमई मंत्री ने निर्माण एजेंसी को दिशा निर्देश जारी किए हैं। उद्योग विभाग की ओर से 48 हेक्टेयर में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

गभाना तहसील के ख्यामई में 48 हेक्टेयर में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है, जिसमें यूपीएसआईसी सड़क, नाली, नाला, बाउंड्री बनाने का काम कर रही है। करीब एक साल से इसका निर्माण कार्य चल रहा है। उद्योग विभाग ने 2025 अक्टूबर व नंवबर माह में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा है। एमएसएमई को 30 फीसदी जमीन आवंटित की जाएगी। इसके अलावा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक्सपोर्ट जोन भी बनाया जाएगा।

गभाना के ख्यामयी में विकसित हो रहे औधोगिक क्षेत्र का निरीक्षण करते संयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार। ● हिन्दुस्तान

करीब 15 दिन पहले एमएसएमई मंत्री उप्र ने गभाना के ख्यामई का निरीक्षण किया था, जिसमें निर्माण एजेंसी को जल्द से जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए थे। उद्योग विभाग निवेश करने वालों को इसी साल जमीन आवंटित करेगा। पूर्व में 299 से अधिक निवेशकों ने जमीन लेने के लिए आवेदन किया था। लेकिन अब इसमें भूखंड आवंटन नए सिरे से किया जाएगा। निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से ही आवंटन अब होगा।

शासन को जा चुका है दरें निर्धारित करने का प्रस्ताव

संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार ने बताया कि ख्यामई में जमीन आंवटन को लेकर जिला स्तरीय कमेटी बनी थी। यहां से जमीन आवंटन को लेकर प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। शासन से दरें तय होने के बाद आवंटन किया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का काम तेजी से किया जा रहा है। शासन स्तर से जारी गाइड लाइन के अनुसार ही निवेशकों को जमीन आंवटित होगी। गभाना का ख्यामई औद्योगिक क्षेत्र शुरू होने से लॉक्स हार्डवेयर इकाइयों को फायदा होगा। अलीगढ़ में औद्योगिक विकास होगा और इससे लोगों को अधिक रोजगार मिलेगा। अलीगढ़ की अर्थव्यवस्था को भी इससे बढ़ावा मिलेगा। आधुनिक रूप से इस औद्योगिक क्षेत्र को विकसित किया जा रहा है।